EGZAMIN CERTYFIKACYJNY Z JĘZYKA HINDI NA POZIOMIE B2

TEST PRZYKŁADOWY

- **odpowiedzi na pytania do testów 1, 2, 3.1 wpisuj na kartę odpowiedzi numer 1**
- **odpowiedzi na pytania do testu 3.2 wpisuj na kartę odpowiedzi numer 2**
- **odpowiedzi do testu 4 wpisuj na kartę odpowiedzi numer 3**

za cały egzamin możesz uzyskać 140 punktów.

Egzamin trwa 180 minut.

☞ **Do wszystkich części egzaminu dołączone są instrukcje. Przeczytaj je uważnie zanim przystąpisz do rozwiązywania zadań testowych**.

INSTRUKCJA TESTOWA

Otrzymałaś/-eś książeczkę testową i trzy karty odpowiedzi.

ROZWIĄZUJ TESTY 1.1, 1.2, 2.1, 2.2 oraz 3.1. (PYTANIA 1 - 50) NA KARCIE ODPOWIEDZI NUMER 1 W NASTĘPUJĄCY SPOSÓB:

- Do każdego pytania podane są dwie, trzy, cztery lub pięć odpowiedzi do wyboru, oznaczone literami a, b, c, d, e.
- Wybieraj za każdym razem jedną prawidłową odpowiedź, zaznaczając wyraźnie wybraną literę przy właściwym numerze pytania.
- Możesz wykorzystywać książeczkę testową do zaznaczania odpowiedzi „na brudno".

ROZWIĄZUJ TEST 3.2 (PYTANIA 51-70) NA KARCIE ODPOWIEDZI NUMER 2 W NASTĘPUJĄCY SPOSÓB:

- Wszystkie odpowiedzi wpisuj **DŁUGOPISEM** na osobnej karcie odpowiedzi.
- Niniejszą książeczkę testową możesz wykorzystać do rozwiązywania testu „na brudno".
- **Pisz wyraźnie! Nieczytelne pismo nie będzie brane pod uwagę!**

ROZWIĄZUJ TEST 4 NA KARCIE ODPOWIEDZI NUMER 3 W NASTĘPUJĄCY SPOSÓB:

- Test 4 możesz napisać „na brudno" na odwrocie pustych stron książeczki testowej.
- Ostateczną wersję napisz **czytelnie** na pierwszej stronie karty odpowiedzi numer 3 oraz na jej odwrocie.
  Zarezerwuj co najmniej 40 minut na wykonanie testu 4.

PAMIĘTAJ O TAKIM ZAPLANOWANIU CZASU, ABY WYSTARCZYŁO GO NA PRZEPISANIE WSZYSTKICH ROZWIĄZAŃ NA KARTY ODPOWIEDZI

Test 1 Rozumienie ze słuchu. Pytania 1-15 (30 pkt.)

परीक्षा नं 1: मौखिक पाठ को समझना। प्रश्न 1–15

1.1. Usłyszysz za chwilę rozmowę. Zapoznaj się z pytaniami (1-7), a następnie po dwukrotnym wysłuchaniu rozmowy odpowiedz na pytania, wybierając właściwą odpowiedź spośród trzech podanych możliwości. W każdym pytaniu tylko jedna odpowiedź jest w pełni poprawna. Słuchając rozmowy możesz robić notatki w książeczce testowej. Zaznacz na karcie odpowiedzi nr 1 odpowiednią literę obok właściwego numeru pytania.

अभी एक संवाद सुनाया जाएगा। पहले नीचे दिए गए प्रश्नों को (1–7) पढ़िए फिर इस संवाद को दो बार सुनिए। फिर संवाद को सुनकर दिए गए तीन उत्तरों में से एक उचित उत्तर चुनकर आप प्रश्नों का उत्तर दीजिए। दिए गए उत्तरों में से केवल एक उत्तर सही है। संवाद को सुनते समय इसी परीक्षा की किताब में आप अपने नोट लिख सकते हैं। हरेक प्रश्न के नंबर के पास उचित अक्षर लिखकर फ़र्म नं 1 में प्रश्न के उचित उत्तर लिख दीजिए।

1. एवा और राम कहाँ बातचीत कर रहे हैं?
a. एक बाज़ार में ख़रीदारी करते समय
b. एक रेस्तराँ में खाते समय
c. एक सिनेमा में फ़िल्म देखते समय

2. हिंदुस्तान में तेज़ खाने का मतलब क्या है?
a. ज़्यादा तेज़ नहीं
b. स्वादिष्ट नहीं
c. बहुत तेज़ है

3. तेज़ खाने के बाद आग बुझाने के लिए क्या खाया जा सकता है?
a. कुछ मीठा
b. कुछ फल
c. कुछ मसालेदार

4. कोई मीठी चीज़ किससे बनाई जा सकती है?
a. हर तरह के फलों से
b. चीनी या गुड़ से
c. गुड़ और पानी से

5. सेहत के लिए क्या बेहतर और सेहतमंद है?
a. गुड़
b. चीनी
c. चाय

6. एवा को कौनसी हिंदुस्तानी परंपरा अपनानी चाहिए?
a. लोगों को उपहार देने की परंपरा
b. मसालेदार खाना खिलाने की परंपरा
c. मुँह मीठा कराने की परंपरा

7. नानी जी दाल तैयार करने के लिए किस चीज़ का प्रयोग करती थीं?
a. घी का इस्तेमाल करती थीं।
b. चीनी का इस्तेमाल करती थीं।
c. मिर्च का इस्तेमाल करती थीं।

1.2. Usłyszysz za chwilę krótką rozprawkę na temat Bhutanu. Zapoznaj się z pytaniami (8-15), a następnie zdecyduj, które z następujących stwierdzeń są prawdą, a które fałszem. Swój wybór zaznacz na karcie odpowiedzi nr 1, stwierdzenia prawdziwe oznaczając literą a, zaś fałszywe literą b.
अभी एक पाठ सुनाया जाएगा जो भूटान देश **के बारे में है। पहले नीचे दिए गए प्रश्नों को (8-15) पढ़िए फिर आपको निश्चय करना है कौनसे वाक्य में सच लिखा गया है और कौनसा वाक्या ग़लत है। फ़र्म नं 1 में उचित उत्तर लिख दीजिए। जो वाक्य आपके विचार में सही है, इसके पास अक्षर a लिख दीजिए और ग़लत वाक्य के पास अक्षर b ।**

8. भूटान नेपाल और भारत के बीच स्थित है।

9. सांस्कृतिक और धार्मिक तौर से यह भारत से जुड़ा है।

10. भूटान ने बौध धर्म को अपनाया सत्रहवीं शताब्दी में।

11. भूटान और भारत का समझौता 1949 में किया गया।

12. भारत के प्रधानमंत्री की पहली भूटान की यात्रा 1958 में थी।

13. इंदिरा गाँधी अपने पिता जी, जवाहरलाल नेहरु के साथ भूटान नहीं गईं।

14. भूटान की यात्रा में पंडित नेहरु को ऊँची पहाड़ियों पर चढ़ना पड़ा।

15. भूटान के नए, नौजवान राजा के फ़ोटोग्राफों की प्रदर्शनी दिखाई गई।

Test 2 Rozumienie tekstu pisanego. Pytania 16-30 (30 pkt.)

परीक्षा नं 2: लिखित पाठ को समझना। प्रश्न 16-22

1.1. Przeczytaj uważnie poniższy tekst, a następnie odpowiedz na pytania, wybierając właściwą odpowiedź spośród czterech podanych możliwości. W każdym pytaniu tylko jedna odpowiedź jest w pełni poprawna. Swój wybór zaznacz na karcie odpowiedzi nr 1. Niektóre pytania dotyczą słów podkreślonych w tekście.

निम्नलिखित पाठ ध्यान से पढ़िए फिर दिए गए चार उत्तरों में से एक उचित उत्तर चुनकर आप प्रश्नों का उत्तर दीजिए। दिए गए उत्तरों में से केवल एक उत्तर सही है। फ़र्म नं 1 में आपके चुने हुए उत्तर को लिख दीजिए। कई प्रश्न रेखांकित शब्दों पर लागू हैं।

अनन्त काल से भारतीय सभ्यता के दो प्रवाह रहे हैं - एक ऐंद्रियक और दूसरा मानसिक; एक आकार का, दूसरा विचार का और इसी तरह भारतीय सभ्यता का विकास हुआ। ये प्रवाह मिले और फिर अलग हुए दुबारा मिलने के लिए। एक द्रविड था और दूसरा आर्य। नृत्यमग्न देव शिव नटराज जो इस गतिशील ब्रह्माण्ड के दैवी नृत्य का प्रतीक है, इसी शिव के

नटराज के रूप में एक प्रवाह अपने चरम पर पहुँचा। दूसरा प्रवाह शंकर के अद्वैतवाद के अमूर्त सिद्धांत तक जा पहुँचा। एक ने संगीत व नृत्य, चित्रकारी और मूर्तिकला, कला तथा वास्तुकला – संक्षेप में हमारी सभ्यता की ध्वनियों, दृश्यों और गंधों का सृजन किया और दूसरे ने हमारे बौद्धिक संसार – हमारे दर्शन तथा हमारी विचारधारा को विकसित किया।

वैदिक आर्यों के न कोई मंदिर थे, न ही मूर्तियाँ व चित्र। हर कुलपिता देवताओं का आशीर्वाद पाने के लिए अपने घर में यज्ञ करता था। *मनुस्मृति* दस्युओं (द्रविडों) में मूर्तिपूजा का वर्णन करती है। आर्य लोगों को भी मूर्तिपूजा करने की चाह तो थी लेकिन ब्राह्मण उनको धमकी देते थे। वे कहते थे: "मूर्तिपूजा करने वाले ब्राह्मण से दूर रहना चाहिए"। साथ-साथ वे मूर्तिपूजा को रोकना भी नहीं चाहते थे। वास्तव में उन्होंने मूर्ति तोड़नेवालों को सज़ा देने की सलाह दी।

आर्य और दूसरे संप्रदायों का परस्पर मेल हो गया। मूर्तिपूजा के बारे में पुराणों में उल्लेख मिलता है। इस प्रकार के धर्म का मुख्य सिद्धांत भक्ति है। वैष्णववाद इसका सब से विकसित रूप है और इसका एक सिद्धांत अवतार है।

किस प्रकार हम आँखों, कानों, नाक, मुँह के रूप में बने देवता को प्रसन्न कर सकते हैं? इसका सिर्फ़ एक ही तरीका है: हम उनके लिए अत्यंत सुंदर देखने वाली वस्तुएँ (चित्र), देखने के लिए नृत्य और नाटक, कानों के लिए संगीत, गंध लेने के लिए सुगंध और फूल, उनकी जीभ के लिए स्वादिष्ट भोजन बनाना। ये सब क्रियाएँ पूजा के रूप में शामिल हैं। इस प्रकार भारत की समस्त सभ्यता ध्वनियों, रंगों, गंधों और दृश्यों का मिश्रण है। यदि इस ईश्वर की आँखें नहीं होतीं तो चित्रकार चित्रण क्यों करता? यदि इस ईश्वर के कान नहीं होते तो कवि गीत क्यों गाता? यदि ईश्वर की अनुभूति नहीं होती तो कोई नृत्य क्यों करता? भारतीय कला की महानता को खोजनेवाले श्री कुमारस्वामी कहते हैं कि मूर्तिपूजा के बिना कला नहीं हो सकती है। इस तरह किसी प्रकार की मूर्तिपूजा के बिना सभ्यता का विकास संभव नहीं है।

बुद्ध ने ईश्वर के बारे में बहुत कम कहा। इसलिए बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने जो पहली मूर्ति बनाई वह ईश्वर की नहीं थी बल्कि बुद्ध की थी। इसे सम्राट कनिष्क (पहली शताब्दी) के समय के एक यूनानी कलाकार ने बनाया था। कुषाणों के राज्य में सिक्कों पर शिव का चित्र बनाया गया। भारतीय कलाकारों ने प्रकृति से कभी कुछ नहीं लिया। वह केवल किसी शृंगारिक रूप की प्रेरणा प्राप्त करता था। उसकी कला का इरादा धार्मिक था। यह उपासना का एक अंश था। किसी भी समाज के लिए उसकी कला और उसके साहित्य का इतिहास ज़रूरी है। इतिहास के दर्शन पर अपने विचारों में हेगल कहते हैं: "भारत स्वप्नों का देश है"। यही कारण है कि भारत में परंपराओं, धर्मों और दर्शनों, संगीत, नृत्य और विभिन्न वास्तुकलाओं की प्रचुरता देखी जाती है।

हम लंबी यात्रा पर निकलते तीर्थ यात्री बनते हैं। कुछ लोग हमको रास्ता दिखाते हैं। वे हमको रोशनी देते हैं। वे आनंद के नज़दीक हैं, कुछ इस यात्रा में पीछे रह गए हैं और अंधेरे में हैं। वे अभी भी घिरे हैं और ऐसा ही कई युगों तक होता रहेगा।

हमारी सभ्यता के दो प्रवाह गंगा और यमुना के समान हैं। दोनों हमारी भूमि को दान देते हैं। दोनों की जय हो।

(Adaptacja: J. Wiśniewska-Singh na podstwie artykułu *Bhartiy sabhyata ke do pravah*, z czasopisma „India Perspectives", September 1998)

16. भारत की सभ्यता के कौनसे दो प्रवाह हैं?

a. धार्मिक और नास्तिक।

b. बौद्ध और हिंदू।

c. ऐंद्रियक और मानसिक

d. अँग्रेज़ी और मुग़ल।

17. कौनसा देव ब्रह्माण्ड के दैवी नृत्य का प्रतीक है?

a. ब्रह्मा

b. विष्णु

c. काली

d. शिव

18. दूसरा प्रवाह कहाँ तक जा पहुँचा?

a. मूर्तिपूजा तक

b. अमूर्त सिद्धांत तक

c. शिव के सिद्धांत तक

d. मध्य एशिया तक

19. अपने घरों में कौन यज्ञ करता था?

a. कुलपिता

b. कुलदेवता

c. कुलवधू

d. कुलाचार्य

20. भक्ति का सब से विकसित रूप क्या है?

a. पूँजीवाद

b. शैववाद

c. वैष्णववाद

d. समाजवाद

21. कौनसी क्रियाएँ पूजा के रूप में शामिल हैं?
a. अत्यंत सुंदर देखने वाली फ़िल्में, वस्तुएँ और तस्वीरें
b. स्वादिष्ट भोजन, मिठाइयाँ, चित्र, पत्र, अख़बार, सिनेमा
c. नृत्य, नाटक, संगीत, फ़िल्म, गाने, साहित्य और मिठाइयाँ
d. चित्र, नृत्य, नाटक, संगीत, सुगंध, फूल और स्वादिष्ट खाना

22. भारत के बारे में हेगल का क्या विचार है?
a. भारत स्वप्नों का देश है
b. भारत हिंदुओं का देश है
c. भारत इतिहास की भूमि है
d. भारत खुशियों का देश है

1.2. Przeczytaj uważnie tekst, z którego zostały usunięte pewne fragmenty. Uzupełnij tekst zdaniami lub fragmentami zdań, podanymi pod tekstem. Uzupełniony tekst powinien tworzyć spójną całość. Jeden fragment został podany dodatkowo i nie powinien zostać użyty. Swój wybór zaznacz na karcie odpowiedzi nr 1.
निम्नलिखित पाठ ध्यान से पढ़िए जिसमें कई भाग खाली हैं। पाठ के नीचे दिए गए वाक्यों से इस पाठ को पूरा कीजिए। सारा वाक्यों से भरा हुआ पाठ संसक्त होना चाहिए। नीचे दिए गए भागों में एक भाग अधिक है जिसका प्रयोग करना नहीं चाहिए। चुने हुए उत्तर को फ़र्म नं 1 में लिख दीजिए।

त्योहारों के मौसम में हम सभी चाहते हैं कि अपने घर को नया लुक दें, जहाँ रंग हो, रोशनी हो और नई उमंग भी हो। यहाँ हम घर को सजाने के कुछ आसान तरीके तो बता ही रहे हैं, लेकिन उससे पहले ही आपको कुछ खास़ **(23)** _____ । अपना बजट निर्धारित करें। माना त्योहार है लेकिन पैसा **(24)** _____। अपने घर का अच्छी तरह से निरीक्षण करें। कमरे का आकार और कहाँ-कहाँ बदलाव लाना चाहते हैं, इसके बारे में सोचें। इससे बजट बनाने में भी आसानी होगी। खिड़कियों पर **(25)** _____ पूरा लुक बदला जा सकता है। इसके अलावा परदों की लंबाई पर भी ध्यान दें कि वे बहुत छोटे न होकर ज़मीन से छूते हुए या ज़मीन से थोड़े से ऊपर ही हों। हर कमरे में अलग रंग के फूल ही सजाएँ, जैसे **(26)** _____ । अपने रसोईघर के पुराने फ़र्नीचर को बदलना चाहें, तो उन्हें यूँ ही फैकना या रद्दी में बेचना। रसोईघर की दीवार पर फल व सब्ज़ियों के स्टिकर्स लगाएँ। इससे रसोईघर नया लगेगा।

आप अपनी पसंद-नापसंद के बीच परेशान न हों। बेझिझक आप अपनी पसंद से घर को **(27)** _____ । दीवारें बहुत ख़राब हो गई हों और समय कम हो तो **(28)** _____ ।

अगर आप चाहें तो पुराने अख़बार और रंग बिरंग काग़ज़ से खुद ही सजावट की चीज़ें बना सकते हैं। घर को अगर एकदम से सुंदर करना है तो भगवान **(29)** _____। ख़ास तौर पर मुख्यद्वार के भीतर या अंदर भगवान की मूर्ति लगाएँ। पुराने स्वेटर को काटकर तकिए बनाएँ और उनके बीचोंबीच **(30)** _____ । जालीदार कपड़ों को सिलकर भी तकिए को नया लुक दिया जा सकता है। त्योहारों के मौसम में आपका घर बेशक बहुत सुंदर लगेगा।

(Adaptacja: J. Wiśniewska-Singh na podstwie artykułu *Home decor guide*, z czasopisma „Saheli", wyd. specjalne 2012)

Dla luk 23-26 wybierz spośród poniższych fragmentów. Jeden fragment został podany dodatkowo i nie powinien zostać użyty.
खाली जगहों 23–26 के लिए इन नीचे दिए गए भागों में से उचित भाग चुन लीजिए। इन भागों में एक भाग अधिक है जिसका प्रयोग करना नहीं चाहिए।

a. परदों को बदलकर भी
b. ख़त्म होना नहीं चाहिए
c. ढेर सारे लाल गुलाब, पीले गेंदे, सूरजमुखी
d. बातों का ख़्याल रखना होगा
e. 500 ग्राम पनीर है

Dla luk 27-30 wybierz spośród poniższych fragmentów. Jeden fragment został podany dodatkowo i nie powinien zostać użyty.
खाली जगहों 27–30 के लिए इन नीचे दिए गए भागों में से उचित भाग चुन लीजिए। इन भागों में एक भाग अधिक है जिसका प्रयोग करना नहीं चाहिए।

a. दीवार के पेपर्स का इस्तेमाल करें
b. ऊन के फूल, पत्तियाँ और घुँघरू लगाएँ
c. गणेश और लक्ष्मी के चित्र लगाएँ
d. दोस्तों से कहिए कि आपका घर अत्यंत सुंदर है
e. सजाएँ जिससे आपका व्यक्तित्व लोगों को पता चलेगा

Test 3: Użycie języka. Pytania 31-70 (40 pkt.)

परीक्षा नं 3: भाषा का प्रयोग। प्रश्न 31–70

3.1. Pytania 31-50 (20 pkt.)
Przeczytaj uważnie poniższy tekst, a następnie uzupełnij luki wybierając za każdym razem jedną z czterech możliwości (A,B,C,D) podanych pod tekstem. Tylko jedna opcja jest w pełni poprawna. Na karcie odpowiedzi nr 1 zaznacz literę odpowiadającą wybranej przez ciebie możliwości obok właściwego numeru pytania.
Przykład oznaczony (0) pokazuje sposób rozwiązania.

निम्नलिखित पाठ ध्यान से पढ़िए फिर पाठ के नीचे दिए गए शब्दों से अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए। हरेक खाली जगह के लिए चार शब्द (A,B,C,D) दिए गए जिनसे उचित शब्द चुनना है। दिए गए चार शब्दों से केवल एक सही है। चुने हुए उत्तर को फ़र्म नं 1 में लिख दीजिए। हर प्रश्न के नंबर के पास उचित अक्षर लिखिए।
वाक्य नं (0) में उदाहरण दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में "इंडिया टुडे" को आज सोलह साल पूरे हो **(0)** _____ हैं। और इस दौरान **(31)** _____ के प्यार ने इस समाचार-पत्र समूह को सब से बड़ा और सब से ज़्यादा प्रशंसा करने वाला अख़बार बना दिया। निश्चित ही, सब से बड़ा बनने के साथ बड़ी ज़िम्मेदारी भी निभानी **(32)** _____ है। यही कारण है कि "इंडिया टुडे" ने अपने उद्देश्य तय किए। ये हैं: पाठकों की ज़िंदगी का **(33)** _____ बनना और इस तरह की ख़बरें देना जो पाठकों को समाज में हमेशा आगे रखें। इसके साथ साथ चुटकुलों को छपवाने से भी पाठ **(34)** _____ रहें। लेकिन उद्देश्य पूरे करने **(35)** _____ भी कुछ न कुछ बाक़ी रह जाता है। इसलिए "इंडिया टुडे" ने फ़ैसला किया कि सब से बड़ा, सब से ज़्यादा प्रशंसा करने वाला अख़बार बनने के साथ ही सामाजिक, आर्थिक बदलाव का मध्यम **(36)** _____। केवल मध्यम ही नहीं, **(37)** _____ पड़ने पर, मौका आने पर, कभी कहीं, सामाजिक, आर्थिक बदलाव का अगुआ भी बनना। इसमें **(38)** _____ शक नहीं कि "इंडिया टुडे" सफल हो **(39)** _____। उत्तर प्रदेश का इसमें सब से बड़ा **(40)** _____ है। इसे कभी भी भुलाया नहीं **(41)** _____ सकता। पवित्र उद्देश्यों और शब्द-शब्द ज़िम्मेदारी निभाने में पाठकों का **(42)** _____ हमेशा "इंडिया टुडे" के साथ रहा है। विश्वास है सच्चाई के इस **(43)** _____ पर आपका मार्गदर्शन हमेशा मिलता **(44)** _____। हमको इस पर भी **(45)** _____ है कि हमारे समूह में अच्छे से अच्छे **(46)** _____ शामिल हैं। जिस विषयों पर वे **(47)** _____ हैं

ये पाठकों के लिए उपयोगी और बहुत **(48)** _____ हैं। हम आप **(49)** _____ प्रार्थना करते हैं कि हमारी कमी **(50)** _____ बताइएगा।

Przykład: (0) A गए B चला C गया D आया

	A	B	C	D
31.	श्रोताओं	पाठकों	दर्शकों	धोबियों
32.	पड़ती	पड़ते	पड़	पढ़ता
33.	हँसना	हिंसा	हिस्सा	हंस
34.	दुखी	खुश	दुख	खुशी
35.	किया	ने	पर	कारण
36.	बनना	सोना	पढ़ना	उठना
37.	मेहनत	शुरुआत	औरत	ज़रूरत
38.	को	कोई	का	कई
39.	जाएगा	दौड़ेगा	देगा	करेगा
40.	हाथ	नाथ	हाथी	हानि
41.	जा	आ	खा	दे
42.	बार	यार	प्यार	सैर
43.	गाँव	सड़क	रास्ते	शहर
44.	गाएगा	देखेगा	चलेगा	रहेगा
45.	पर्व	पूर्व	सिर्फ़	गर्व
46.	कवि	पत्रकार	पात्र	मूर्तिकार
47.	सीखते	लिखते	देखते	नाचते
48.	उबाऊ	निराश	स्वादिष्ट	दिलचस्प
49.	से	पर	में	को
50.	कभी नहीं	अकसर	ज़रूर	कभी कभी

3.2. Pytania 51-70 (20 pkt.)

Przeczytaj uważnie poniższy tekst, a następnie uzupełnij luki. W jedną lukę możesz wstawić tylko jedno słowo. Upewnij się, czy uzupełniony przez ciebie tekst tworzy spójną całość, poprawną gramatycznie i logicznie, a następnie przenieś swoje rozwiązania na kartę odpowiedzi numer 2. Pamiętaj o poprawności ortograficznej wpisywanych wyrazów!

निम्नलिखित पाठ ध्यान से पढ़िए और खाली जगहों को पूरा कीजिए। केवाल एक ही शब्द से आप वाक्य को पूरा कर सकते हैं। आप ध्यान दीजिए ताकि सारा पाठ संसक्त, तर्कसंगत और व्याकरणिक हो। फिर फ़र्म नं 2 में आपके चुने हुए शब्द लिख दीजिए। ध्यान दीजिए ताकि आप सब शब्द ठीक से लिख दें।

एक समय की बात है। रामू किसान के यहाँ एक गाय थी जिसका नाम कपिला था। उसे बहुत गरम आलू बहुत ही **(51)** _____ लगते थे। एक दिन उसने एक आलू बिना चबाए ही खा **(52)** _____। वह आलू **(53)** _____ गरम था कि उसके पेट में दर्द होने **(54)** _____। दर्द के **(55)** _____ वह रोने लगी। बड़े-बड़े गोल- **(56)** _____ आँसू उसके गालों पर बहने लगे। रामू किसान ने जल्दी बाल्टी लाकर गाय के पास रख दी जिससे उसके बड़े-बड़े गोल-गोल **(57)** _____ फ़र्श पर न गिरने पाएँ और फ़र्श गीला न हो। किसान **(58)** _____ गाय से पूछा, "क्या बात है कपिला?"। "मैंने बिना सोचे समझे एक **(59)** _____ आलू बिना चबाए ही निगल लिया और अब मेरी यह दशा हो गई है", कपिला ने रोते- **(60)** _____ कहा। किसान किसी न **(61)** _____ प्रकार गाय के दुख को दूर करना चाहता था। उसने कहा, "अब जल्दी अपना मुँह **(62)** _____"। कपिला ने जब मुँह **(63)** _____ तो उससे धुआँ-सा निकलने लगा। तभी किसान ने आँसुओं वाली बाल्टी में और पानी डालकर कपिला के **(64)** _____ में उड़ेल दिया। पानी के अंदर जाते **(65)** _____ एक अजीब-सी आवाज़ आई। पानी ने उसकी पीड़ा को दूर कर दिया। अब कपिला मुस्कराने **(66)** _____ । उस शाम कपिला ने ज़मीन पर हरी-हरी **(67)** _____ खाई और इतनी खुश थी कि गीत गाने **(68)** _____ । उस दिन से कपिला ने गरम आलू खाना छोड़ **(69)** _____ है और अपने मालिक किसान के **(70)** _____ खुशी से रहती थी।

<u>Test 4: Pisanie</u> (40 pkt.)

Napisz tekst na karcie odpowiedzi numer 3 w oznaczonych miejscach.
निबंध फ़र्म नं 3 की दी गई जगह में लिख दीजिए।

Napisz krótkie wypracowanie (200-250 słów) wyrażając swoją opinię na temat indyjskiego kina.
भारतीय सिनेमा के विषय में अपना विचार प्रस्तुत करते हुए आप निबंध लिखिए (लगभग 200-250 शब्द)।

Klucz odpowiedzi

1. b
2. c
3. a
4. b
5. a
6. c
7. a

8. b
9. b
10. a
11. a
12. a
13. b
14. a
15. a

16. C
17. D
18. B
19. A
20. C
21. D
22. A

23. D
24. B
25. A
26. C
27. E
28. A
29. C
30. B

31. B
32. A
33. C
34. B
35. C
36. A
37. B
38. B
39. A

40. A
41. A
42. C
43. C
44. D
45. D
46. B
47. B
48. D
49. A
50. A

Test 3: Użycie języka

51.	अच्छे
52.	लिया
53.	इतना
54.	लगा
55.	कारण
56.	गोल
57.	आँसू
58.	ने
59.	गरम
60.	रोते
61.	किसी
62.	खोलो
63.	खोला
64.	मुँह
65.	ही
66.	लगी
67.	घास
68.	लगी
69.	दिया
70.	साथ/ संग

Teksty dla egzaminatorów

1.1. Dialog w restauracji

– एवा: वाह वाह, कितनी शानदार खुशबू आ रही है। और इंतज़ार करना मुश्किल है। मुझसे रहा नहीं जाता। खाना कब परोस दिया जाएगा?

– राम: आइए तो खाना शुरू किया जाए। यह है आपका पसंदीदा मिर्च वाला मुर्गा मसाला।

– एवा: ओह! आग आग!

– राम: क्यों क्या हुआ?

– एवा: यह तो मसाला नहीं है! यह ज्वालामुखी है! और मैं अपना आग बुझाने का सामान भी नहीं लाया।

– राम: आग बुझाने का सामान यह है: अगर बहुत मिर्च लग रही है तो कुछ दही लीजिए।

– एवा: सच, पोलैंड में तेज़ मसालेदार खाना इतना तेज़ नहीं होता।

– राम: हाँ, यह तो हिंदुस्तान है। यहाँ तेज़ का मतलब बहुत तेज़ है। हम लोग बहुत तेज़ खाते हैं, लेकिन हिंदुस्तान में सभी लोगों से इतना तेज़ खाना खाया नहीं जा सकता।

– एवा: ग़लत-फ़हमी दूर करने के लिए शुक्रिया। मैं अब समझ गई कि 'तेज़' ख़तरनाक शब्द है।

– राम: तेज़ खाने के बाद कुछ मीठा खाया जा सकता है। क्या आपको पता है कि सेहत के लिहाज़ से क्या बेहतर है: गुड़ या चीनी?

– एवा: आप ही बताइए।

– राम: हम जब भी किसी शुभ काम की शुरुआत करते हैं तो आम तौर पर कहते हैं "कुछ मीठा हो जाए"। जी हाँ, हमारी यही प्रथा है कि काम की अच्छी शुरुआत हो या खाने के बाद स्वाद अच्छा करना हो, मीठी चीज़ों को याद किया जाता है। कोई मीठी चीज़ बिना चीनी या गुड़ के नहीं बनती। जब सेहत की बात आती है तो सोचना पड़ता है कि दोनों में से कौनसा सेहतमंद है।

– एवा: तो समझा दीजिए चीनी या गुड़ ज़्यादा सेहतमंद है।

– राम: गुड़ गन्ने के रस से बनाया जाता है। चीनी की तुलना में यह ज़्यादा प्राकृतिक और लाभदायक होता है। गुड़ में विटमिन बी 6 भी होता है। यह हमारी साँस, फेफड़ों और पेट की

सफ़ाई करता है। चीनी बनाने के लिए पहले गन्ने के रस को उबाला जाता है। उससे टुकड़े बनाए जाते हैं। सामान्य तौर पर एक दिन में दो चमचे या 10 ग्राम से ज़्यादा चीनी नहीं खानी चाहिए।

– एवा: अच्छा, अभी मैं समझ गई। अब मैं सिर्फ़ गुड़ की बनी हुई मिठाइयाँ खाती रहूँगी।

– राम: हिंदुस्तान में त्यौहारों के मौके पर मुँह मीठा कराने की परंपरा है। तो क्यों न आप भी इस परंपरा को निभाएँ?

– एवा: हाँ, क्यों नहीं! खाने से जुड़ी आपकी सब से अच्छी यादें क्या हैं?

– राम: मेरी नानी बेहद स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन बनाती थीं। उनके हाथ से बने खाने का स्वाद एकदम अलग होता था। वे दाल तैयार करने के लिए जिस घी का इस्तेमाल करती थीं, उसकी महक बेहतरीन होती थी। उनके गुज़रने के बाद उनके जैसे खाने का स्वाद मैंने आज तक नहीं चखा। उनके द्वारा बनाई गुड़ की मिठाई का स्वाद मुझे आज तक याद है।

– एवा: अब मैं तेज़ खाने को भूल चुकी हूँ।

1.2.Rozprawka na temat Bhutanu

भूटान हिमालय पर बसा हुआ एक छोटा और महत्त्वपूर्ण देश है। यह देश चीन (तिब्बेत) और भारत के बीच स्थित है। सांस्कृतिक और धार्मिक तौर से यह तिब्बेत से जुड़ा है, लेकिन भौगोलिक और राजनीतिक परिस्थितियों के कारण वर्तमान में यह देश भारत के करीब है। देश की ज़्यादातर आबादी छोटे गाँवों में रहते हैं और खेतीबारी पर निर्भर हैं। सत्रहवीं शताब्दी के अंत में भूटान ने बौध धर्म को अपनाया। आज भी बौध विचार यहाँ की ज़िंदगी का बड़ा और महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

भारत की आज़ादी के बाद प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु और भूटान के द्वितीय राजा ने 1949 में मित्रता और सहयोग के समझौते पर अपने दस्तख़त किए थे। इस समझौते के आधार पर भारत का भूटान की विदेश नीति और रक्षा नीति में काफ़ी महत्त्वपूर्ण है। 1954 में भूटान के तीसरे राजा की भारत यात्रा से भारत–भूटान के बीच नए रिश्तों की शुरुआत

हुई। चार साल बाद 1958 में पंडित नेहरु और उनकी पुत्री इंदिरा गाँधी भूटान गए। यह भारत के प्रधानमंत्री की पहली भूटान की यात्रा थी।

घोड़े की सवारी करके, पैदल चलकर और ऊँची-ऊँची पहाड़ियों पर चढ़कर यह थकान देनेवाली यात्रा एक हफ़्ते की थी। उस पीढ़ी के सब भारतीयों को आज भी जो उनकी यात्राओं की याद दिलाता है, वह सिर्फ़ फ़ोटोग्राफ़ से ही संभव है। पंडित नेहरु का घोड़े की पीठ पर बैठना, और इंदिरा गाँधी द्वारा याक की सवारी करनेवाले चित्र हमेशा के लिए अमर हो गए हैं। उस ऐतिहासिक यात्रा के हरेक पल को कैमरा ने रिकार्ड किया। भारत वापस आने पर देश भर के अख़बारों में भूटान से संबंधित बहुत ख़बरें छपी गईं। यह दोनों देशों के बीच मित्रता की एक नई शुरुआत थी।

भूटान जानेवाले भारतीयों का स्वागत किया गया और आपसी मिलन की खुशी मनाई गई। उस समय पंडित नेहरु ने कहा: "भारत और भूटान हिमालय परिवार के समान सदस्य हैं और हम दोनों को पड़ोसी दोस्त की तरह रहते हुए एक दूसरे की मदद करनी चाहिए"। नेहरु की यह टिप्पणी एक इतिहास हो गया। यह वह पल था जिसे कैमरा ने रिकार्ड कर लिया।

आनेवाले सालों में भूटान के पहाड़ों में हवाई अड्डा बनने से भूटान का मुश्किल सफ़र और आसान हुआ। भारत के नेताओं का भूटान की यात्रा पर आना-जाना जारी रहा। भूटान के राजमार्ग का शुभारंभ किया गया और इंडिया हाउस का निर्माण भी। ये दोनों ही बहुत महत्त्वपूर्ण कार्य थे जो दोनों देशों के बीच निकट संबंधों का गवाह है। इनमें ऐसी भी कई परियोजनाएँ हैं जो भूटान में बुनियादी विकास में भारत की मदद है। भूटान में सड़कों का बड़ा नेटवर्क देश भर में फैला हुआ है।

बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक के दौरान काफी संख्या में पर्यटक भूटान यात्रा पर आए। वे कैमरा लेकर खूबसूरत फ़ोटोग्राफ़ की खोज में थे। इस अत्यंत खूबसूरत देश को पर्यटकों ने खुशी से अपने कैमरे में बंद कर लिया। लोगों की तस्वीरें, धार्मिक समारोहों और भूटान के रंगारंग त्यौहारों के चित्रकों को भी उन्होंने खींच लिया। सुंदर औरतों के चेहरे ऐसे चमकते हैं जो आशा और खुशी से भरपूर दिखते हैं।

दिसंबर 2006 में भूटान नरेश के रूप में नए राजा ने अपनी राज्य शुरू किया। वह दुनिया में सब से युवा यानी 28 साल का राजा बन गया। इस राजा को लंबे समय से फ़ोटोग्राफ़ी का

शौक था। उनकी बनाई प्रदर्शनी दुनिया की पहली प्रदर्शनी है जिसमें उनके द्वारा खींचे गए फ़ोटोग्राफों को दिखाया जा रहा है।

आज आधुनिक भूटान पुराने ज़माने की राज्य नहीं है। यह प्रजातंत्र के मार्ग में है। अब नौजवान भूटानी जनता के राजा हैं। लेकिन यह बात याद रखनी चाहिए कि भूटान दुनिया के उन कुछ देशों में है, जो खुद को शेष संसार से अलग अलग रखता है। आज भी काफ़ी हद तक विदेशियों का प्रवेश करना सीमित है।

(Adaptacja: J. Wiśniewska-Singh na podstwie artykułu *Bhutan. Itihas ke jharokhe*, z czasopisma „Bharat Sandarbh", September-October 2009)